निरंकारी माता सविंदर हरदेव जी को भावभीनी विदाई

श्रद्धांजली समारोह में सद्गुरु माता सुदीक्षा जी द्वारा ईश्वर की रज़ा मानने का आह्वान

दिल्ली, 14 अगस्त, 2018 : निरंकारी माता सविंदर हरदेव जी महाराज को 8 अगस्त के दिन लाखों श्रद्धालु भक्तों द्वारा अत्यंत भक्ति भाव से विदाई दी गई। उनकी अंतिम यात्रा प्रातः9.30 बजे बुराड़ी रोड स्थित ग्राउंड नं.8 से प्रारंभ हुई और दोपहर लगभग 1.00 बजे निगम बोध घाट पर पहुंची।

अंतिम यात्रा ने वास्तव में एक शोभा यात्रा का ही रूप धारण कर लिया। माता जी का पार्थिव शरीर फूलों से सुसज्जित एक खुले वाहन पर रखा गया जिस पर सद्गुरु माता सुदीक्षा जी तथा उनकी दोनों बहने एवं गुरु परिवार के अन्य सदस्य साथ रहे।

इससे पहले सद्गुरु माता सुदीक्षा जी तथा माता सविंदर हरदेव जी की दो अन्य सुपुत्रियों ने शाल भेंट करके अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। समस्त साध संगत की ओर से संत निरंकारी मंडल के अध्यक्ष श्री गोबिन्द सिंह जी तथा अन्य प्रबंधक तथा प्रचारक महापुरूषों ने भी शाल तथा फूलों के गुलदस्ते भेंट करके अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इनमें बहुत से महापुरूष दूर–देशों से आए थे।

लगभग 10 किलोमीटर लम्बी इस यात्रा में संत निरंकारी मिशन की परंपराओं के अनुसार सबसे आगे भारत तथा दूरदेशों के सेवादल सदस्य और उनके पीछे देश तथा दूरदेशों से आये हुए प्रबंधक तथा प्रचारक महापुरूष सफेद दुपट्टा पहन कर चल रहे थे। रास्ते में सड़कों के दोनों किनारों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने खड़े होकर माता सविंदर हरदेव जी महाराज को स्नेहपूर्वक विदाई दी। अंतिम संस्कार की औपचारिकता सद्गुरु माता सुदीक्षा जी तथा गुरु परिवार के अन्य सदस्यों की उपस्थिति में माता जी की बड़ी सुपुत्री समता जी के बेटे हार्दिक जी ने निभाई।

श्रद्धांजली समारोह

निरंकारी माता सविंदर हरदेव जी के अंतिम संस्कार के पश्चात् उसी 8 अगस्त के दिन शाम को प्रेरणा दिवस मनाया गया और बुराड़ी रोड स्थित, ग्राउंड नं.8 में एक विशाल सत्संग कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें उन्हें न केवल भरपूर श्रद्धांजलि अर्पित की गई बल्कि उनके जीवन तथा शिक्षाओं से प्रेरणा भी ली गई।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए सद्गुरु माता सुदीक्षा जी ने कहा कि आज के इस प्रेरणा दिवस पर हम एक ऐसी माँ को याद कर रहे हैं जो न केवल हम तीन बच्चों की माँ थी बल्कि पूरी संगत की माँ थी। उन्होंने हमेशा सभी को प्यार तथा स्नेह प्रदान किया।

सद्गुरु माता सुदीक्षा जी ने कहा कि इस माँ ने हमें इतना कुछ दिया कि आज उनके लिए सभी भावुक हो सकते हैं परंतु उन्होंने हमें बचपन से ही निरंकार से जुड़ने की शिक्षा दी। वे कहते थे कि परिस्थिति कोई भी हो, यदि हम निरंकार पर छोड दें तो यह सम्भालेगा, हमारी समस्याओं का समाधान करेगा।

माता सुदीक्षा जी ने आगे कहा कि सांसारिक रूप में तो जिसके माँ–बाप नहीं रहते, उसे अनाथ कहा जाता है। परंतु यहाँ तो सद्गुरु की कृपा से हमें निरंकार रूप में पिता और साध संगत के रूप में माँ मिली हुई हैं। अतः यहाँ हम कोई भी, कभी भी नहीं कह सकते कि हम अनाथ हो गए हैं।

सद्गुरु माता सुदीक्षा जी ने कहा कि माता सविंदर हरदेव जी महाराज ने सद्गुरु रूप में हमें बहुत कुछ सिखाया और बहुत कुछ करने को बताया। अतः आज हमारा यही कर्त्तव्य बनता है कि हम उनके आदेश–उपदेश को याद करें और जो काम अधूरे रह गए हैं उन्हें मिलजुल कर पूरा करने का प्रयास करें।

इस विशाल सत्संग कार्यक्रम में, जो 7 घण्टे से भी अधिक समय तक चला, अनेक प्रबंधक और प्रचारक महापुरूषों ने माता सविंदर हरदेव जी को भरपूर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके जीवन तथा शिक्षाओं से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि माता जी जो कहते थे वह करके भी दिखाते थे। अतः हम उनके जीवन से कदम–कदम पर प्रेरणा लेकर अपने जीवन को संवार सकते हैं और दूसरों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन सकते हैं। समारोह में गुरु परिवार तथा उनके संबंधी महापुरूषों ने भी अपने–अपने भाव व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान एक लघु कवि–सम्मेलन भी हुआ।

समारोह में अनेक गणमान्य महानुभाव पधारे और माता सविंदर हरदेव जी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इनमें सम्मिलित थे – दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री, श्री सत्येंद्र जैन, सांसद श्री मनोज तिवारी तथा हरियाणा के पूर्व मुख्य मंत्री श्री भूपेंद्र सिंह हूड्डा।